राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 19 | जौनपुर सोमवार, 01 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

एयर इंडिया विमान के इंजन में आग की चेतावनी के कारण दिल्ली लौटा विमान

नई दिल्ली, एजेसी। एयर इंडिया की दिल्ली से इंदौर जा रही एक उड़ान को रविवार सुबह टेकऑफ के तुरंत बाद इंजन में आग की चेतावनी के कारण दिल्ली वापस लौटना पड़ा जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। सूत्रों ने बताया कि विमान में 90 से ज्यादा यात्री सवार थे। फ्लाइट एआई2913 के दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट को विमान के दाहिने इंजन में आग की चेतावनी मिली। एहतियात बरतते हुये उस इंजन को बंद कर दिया गया और विमान को एक ही इंजन पर दिल्ली वापस लाया गया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह 6.15 बजे एयरपोर्ट पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। एयर इंडिया ने घटना पर खेद व्यक्त करते हुये एक बयान में कहा कि विमान को निरीक्षण के लिए ग्राउंड कर दिया गया है।

धौलीगंगा पावर प्रोजेक्ट की सुरंग भूस्खलन से बंद, 19 कर्मचारी फंसे

उत्तराखंड, एजेसी। पिथौरागढ़ में धौलीगंगा पावर प्रोजेक्ट पर एक बड़ा भूस्खलन हुआ है, जिससे राष्ट्रीय जलविद्युत निगम के कम से कम 19 कर्मचारी पावर हाउस की सुरंगों में फंस गए हैं। यह घटना रविवार को हुई, जब भूस्खलन के कारण सामान्य और आपातकालीन दोनों सुरंगें अवरुद्ध हो गईं। पिथौरागढ़ की पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने बताया कि सुरंग का प्रवेश द्वार बड़े–बड़े पत्थरों से बंद हो गया है। फंसे हुए मजदूरों को निकालने के लिए बचाव अभियान तेजी से चल रहा है और जेसीबी मशीनों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, फंसे हुए सभी कर्मचारी कंपनी और प्रशासन के संपर्क में हैं और उनके पास पर्याप्त भोजन सामग्री उपलब्ध है।

आपसी विश्वास और सम्मान से भारत-चीन संबंधों को आगे बढ़ाया जाएगा - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों में सुधार की उम्मीद के साथ, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए चीन की दो दिवसीय यात्रा पर गए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले साल कजान में उनकी बहुत ही उपयोगी चर्चा हुई थी जिसने भारत–चीन संबंधों को सकारात्मक दिशा दी। उन्होंने आगे कहा कि सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद, शांति और स्थिरता का माहौल बना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सीमा प्रबंधन को लेकर भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच एक समझौता हो गया है। दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें भी बहाल की जा रही हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों के हित उनके सहयोग से जुड़े हैं और यह पूरी मानवता के कल्याण में योगदान देगा। उन्होंने आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें चीन की सफल एससीओ अध्यक्षता के लिए बधाई दी, चीन आने के निमंत्रण और उनकी बैठक के लिए उन्हें धन्यवाद दिया, तथा भारत–चीन संबंधों के लिए विश्वास, सम्मान और संवेदना को महत्वपूर्ण बताया। व्यापार और शुल्क संबंधी अमेरिकी नीतियों के कारण भारत एवं अमेरिका के संबंधों में अचानक गिरावट आई है। ऐसे में भारत एवं चीन के नेताओं के बीच यह मुलाकात महत्व रखती है। मोदी और शी रविवार से शुरू हो रहे दो दिवसीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर मिलेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने संकेत दिया है कि चर्चा के लिए मुद्दों की व्यापकता को देखते हुए वे दिन में बाद में दोबारा भी मुलाकात कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने प्रदेशवासियों को राधा अष्टमी पर्व की बधाई दी

उत्तर प्रदेश, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेताओं ने रविवार को प्रदेशवासियों को 'राधा अष्टमी' पर्व की बधाई दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा, "पावन पर्व 'राधा अष्टमी' की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई! निष्काम प्रेम, करुणा व भक्ति की साक्षात स्वरूप श्री राधा रानी जी की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि का संचार हो, यही प्रार्थना है।जय श्री राधे!" उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा, "पावन पर्व राधा अष्टमी की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेशवासियों को अनंत शुभकामनाएं!" मौर्य ने कहा, "प्रेम, भक्ति और करुणा की अविनाशी ज्योति श्री राधारानी जी के चरणों में कोटि कोटि नमन। उनकी कृपा से हम सभी के जीवन में शांति, सुख एवं समृद्धि का प्रवाह बना रहे। जय श्री राधे! उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, "आप सभी को पावन पर्व राधा अष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।" अधिकारियों के अनुसार मथुरा बरसाना स्थित श्री राधारानी मंदिर में 30 अगस्त से शुरू हुए इस दो दिवसीय उत्सव में 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। पर्व का मुख्य आयोजन आज सुबह से ही शुरू हो गया है।

भारत की प्रणाली विधायी, कार्यपालिका और न्यायिक कार्यों का अनूठा संयोजन – किरेन रिजिजू

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्ह्होंने भारत की संसदीय प्रणाली के अनूठे पहलुओं पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भारत की प्रणाली और वेस्टमिंस्टर मॉडल के बीच अंतरों पर प्रकाश डाला और संविधान और उसकी भावना को समझने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बताया कि भारत की प्रणाली विधायी, कार्यपालिका और न्यायिक कार्यों का एक अनूठा संयोजन है, जहां संसद सदस्य मंत्री पद धारण कर सकते हैं। रिजिजू ने इसकी तुलना अमेरिकी प्रणाली से की, जहां सचिवों को सदन की समितियों द्वारा बुलाया जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सांसदों की दोहरी भूमिका होती है, एक तो सांसद के रूप में और दूसरी अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए समस्या समाधानकर्ता के रूप में, जो अक्सर व्यक्तिगत समस्याओं और सहायता के अनुरोधों के साथ उनके पास आते हैं। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की उच्च अपेक्षाओं और मांगों का उल्लेख किया, जो बहुत अधिक हो सकती हैं। उन्ह्होंने विधायी कर्तव्यों को निर्वाचन क्षेत्र की सेवा के साथ संतुलित करने के महत्व पर भी जोर दिया।

भविष्य उन्हीं देशों का है, जो नवाचार, तकनीक और संस्कृति को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे - रक्षा मंत्री राजनाथ

नोएडा, संवाददाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नोएडा सेक्टर–81 स्थित रेफी एम फाइबर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की रक्षा उपकरण एवं इंजन टेस्ट फैसिलिटी का लोकार्पण किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने ड्रोन प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह इकाई देश की सबसे बड़ी रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई है, जो आत्मनिर्भर भारत की मजबूत तस्वीर पेश कर रही है। उन्होंने कंपनी की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि 2017 में मात्र 10 सदस्यों से शुरू हुई यह यूनिट आज 600 से अधिक इंजीनियर को रोजगार दे रही है और आने वाले समय में 5,000 युवाओं को अवसर उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में रेफी एम फाइबर और डीआरडीए के बनाए गए उपकरणों का सफल उपयोग हुआ। यह साबित करता है कि संकल्प, साहस और विज्ञान के मेल से असंभव भी संभव हो सकता है। भविष्य उन्हीं देशों का है, जो नवाचार, तकनीक और संस्कृति को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शस्त्र और शास्त्र के समन्वय से ही राष्ट्र मजबूत होता है। यूपी अब रक्षा उत्पादन में अग्रणी बन रहा है और नोएडा को डिफेंस हब के रूप

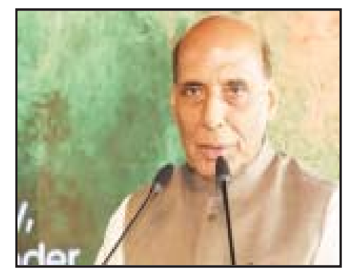

में विकसित करने की दिशा में यह पहल मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि पहले रक्षा उपकरणों के लिए भारत को दुनिया पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। यूपी में पहले से नौ ऑर्डिनेंस फैक्ट्री और चार डिफेंस पीएसयू कार्यरत हैं। साथ ही लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल केंद्र, झांसी में डीडीएल यूनिट और अमेठी में एके–203 निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में छह नोड्स पर रक्षा उत्पादन का विस्तार किया जा रहा है और सरकार हर संभव सुविधा उपलब्ध कराएगी। रेफी एम फाइबर के चेयरमैन विकास मिश्रा ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक ऐसे अत्याधुनिक उपकरण और तकनीक विकसित कर ली जाए, जिससे भारत को विदेश से लड़ाकू विमान खरीदने की आवश्यकता न पड़े। कंपनी हर महीने 150 से अधिक लॉजिस्टिक्स ड्रोन और 300 छोटे यूएवी का निर्माण कर रही है।

अमित शाह ने अहमदाबाद में शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया

अहमदाबाद, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां पौधारोपण अभियान में भाग लिया और शहरी स्वास्थ्य केंद्र का भी उद्घाटन किया। शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद के घाटलोदिया वार्ड में ''एक पेड़ मां के नाम'' पहल के तहत पौधारोपण अभियान का नेतृत्व किया। यह अभियान लोगों को अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह कार्यक्रम अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) द्वारा आयुष्मान वन में आयोजित किया गया। वहीं, एक अन्य कार्यक्रम में शाह ने अहमदाबाद के गोटा वार्ड में 3.84 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक शहरी स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया। इस संबंध में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह केंद्र आयुष्मान भारत के तहत पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) कार्ड, आभा कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना के साथ–साथ अन्य सभी स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा, यह गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और महिलाओं के रोगों के निदान, उपचार सेवाओं की सुविधा भी प्रदान करेगा। विज्ञप्ति में कहा गया कि नवजात शिशुओं और बच्चों के लिए बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा जांच, निदान, उपचार सेवाएं तथा गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण से संबंधित सेवाएं भी उपलब्ध होंगी।

किश्तवाड़ में अचानक बाढ़ से तबाही, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जताया गहरा दुख

जम्मू, एजेसी। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने किश्तवाड़ जिले के वरवन क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ से हुए नुकसान पर गहरी चिंता और दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिया है कि राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाई जाए, क्षतिग्रस्त संपर्क मार्गों को तुरंत बहाल किया जाए और ऊपरी इलाकों में रह रहे बकरवाल समुदाय तक पहुंचकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इधर, किश्तवाड़ के उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। इससे पहले रियासी और रामबन जिलों में शुक्रवार रात बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग लापता हैं। राज्य सरकार के अधिकारियों के अनुसार, रियासी जिले के महोर क्षेत्र के बद्दर गांव में भारी बारिश के बाद भूस्खलन से एक कच्चा मकान मलबे में दब गया। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक दंपति और उनके पांच बच्चे शामिल हैं। मृतकों की पहचान नजीर अहमद (38), उनकी पत्नी वजीरा बेगम (35), और उनके बच्चे बिलाल अहमद (13), मोहम्मद मुस्तफा (11), मोहम्मद आदिल (8), मोहम्मद मुबारक (6) और मोहम्मद वसीम (5) के रूप में हुई है। वहीं, रामबन जिले के राजगढ़ क्षेत्र में बादल फटने से तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिनमें कुछ मकान पूरी तरह बाढ़ के पानी में बह गए। प्रशासन ने बताया कि प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य लगातार जारी हैं। लापता लोगों की तलाश के लिए टीमें लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं। विस्थापित परिवारों के लिए अस्थायी राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जहां भोजन, पानी और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था की गई है। बचाव अधिकारियों ने कहा कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त टीमें भी तैनात की जाएंगी।

जम्मू–कश्मीर के पुंछ में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी

जम्मू, एजेसी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में सीमावर्ती 11 इलाकों में घेराबंदी और तलाशी अभियान (कासो) शुरू किया। यह ऑपरेशन मेंढर, मनकोट और सुरनकोट के बेहरा कुंड, पोथा जंगल, सुरनकोट, पीर तनोरा, सांगला, मोहल्ला लोहार चंडीमढ़, कंडी, कांगड़ा, केरी गलहुटा, मुगल मारा मोहल्ला मुरी और पोली वाला ढोक इलाकों में चलाए गए। जम्मू–कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में पुलिस ने दो आतंकवादियों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार बरामद किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान आजमाबाद निवासी तारिक शेख और चंबर गांव निवासी रियाज अहमद को हिरासत में लिया गया तथा उनसे की गई पूछताछ के आधार पर दो राइफल एवं गोला–बारूद बरामद किए गए। पुलिस ने आजमाबाद में शेख के घर पर छापा मारा और उसे उसके साथी अहमद के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस दल ने जलियां गांव स्थित शेख के किराए के मकान पर छापा मारा और हथियार बरामद किए। इससे पहले जम्मू–कश्मीर पुलिस ने पुंछ जिले में प्रतिबंधित संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े एक पाकिस्तान स्थित आतंकवादी आका की अचल संपत्ति कुर्क की।

चीन पर निर्भरता से उद्योगों पर संकट – अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री के चीन दौरे को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि चीन से आने वाले सामानों पर भारत की बढ़ती निर्भरता ने देश के उद्योगों, कारखानों और दुकानों को नुकसान पहुंचाता है, जिससे बेरोजगारी तेजी से बढ़ रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि तथाकथित आत्मनिर्भर, स्वदेशी और चीनी सामान के बहिष्कार के भाजपाई जुमलों का चिंताजनक सच। चीन से आने वाले सामानों पर जिस तरह भारत की निर्भरता बढ़ती जा रही है, उसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के लगातार घटते जा रहे काम–कारोबार पर पड़ा है। इससे बेरोजगारी भी बेतहाशा बढ़ रही है। उन्होंने आगे लिखा कि भाजपा चीनी चाल की क्रोनोलॉजी समझे। पहले चीन अपना माल भारत के बाजारों में भर देगा। इससे चीन पर निर्भरता इतनी बढ़ जाएगी कि उनकी हर गलत हरकत को नजरअंदाज करने के लिए भाजपाई मजबूर हो जाएंगे। सपा मुखिया ने लिखा कि उसके बाद चीन हमारे उत्पादों और उद्योगों को धीरे–धीरे बंद करवाने के कगार तक ले जाएगा। घ्उसके बाद मनमाने दाम पर हर चीज सप्लाई करेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि उसके बाद महंगाई–बेरोजगारी बढ़ाएगा। उसके बाद जब महंगाई–बेरोजगारी ज्यादा होगी तो सरकार के खघ्लिाफ आक्रोश भी कई गुना बढ़ जाएगा। उसके बाद दूसरों के सहारे पर चल रही, बिना बहुमत की भाजपा की सरकार और भी कमजोर होकर लड़खड़ा जाएगी। उन्होंने कहा कि उसके बाद खघ्ुद ही लड़खड़ाती भाजपा की सरकार चीन के अतिक्रमण को चुनौती नहीं दे पायेगी ३ उसके बाद हमारी भूमि पर चीन अपना कब्जा और बढ़ाएगा। उसके बाद भाजपा दोहराएगी कि "न कोई न कोई अगर ये बात 'ड्रोनवालों' को समझ नहीं आ रही है तो उत्तर प्रदेश में विराजमान 'बुलडोजर' वाले प्रवासी जी ही ये सच्चाई समझकर जवाब दे दें कि चीन द्वारा हमारी कितनी जमीन हड़प ली गयी है, क्योंकि उनका मूल निवास स्थान भी तो चीनी कब्जे का शिकार हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपाई बस देश का क्षेत्रफल बता दें। भाजपा सरकार के आने के समय देश की कुल भूमि जितनी थी, अब भी उतनी ही है या अब चीनी कब्जे के बाद घट गयी है। दिल्ली वाले न सही तो लखनऊ वाले 'पलायन स्पेशलिस्ट' ही बता दें कि हमारी कितनी भूमि का पलायन हो गया है, वैसे जनता ये बखूबी समझती है कि भूमि का पलायन थोड़े ना होता है, जो वो चलकर कहीं चली गयी होगी।

हर जिले में मिनी सचिवालय के निर्माण से लोगों को मिलेगा जल्द समाधान – रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की भाजपा सरकार सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है। इसे लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने सरकार के सभी राजस्व जिलों को नगर निगम के 12 जोन के अनुरूप व्यवस्थित करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि हर जिले में मिनी सचिवालय के निर्माण से लोगों को जल्द समाधान मिलेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने घोषणा की है कि सरकार के सभी राजस्व जिलों की सीमाओं को दिल्ली नगर निगम के 12 जोन के अनुरूप व्यवस्थित किया जाएगा, जिससे कार्यों में समन्वय बना रहे और किसी प्रकार की अव्यवस्था या सीमा संबंधी जटिलताएं उत्पन्न न हों और लोगों की समस्याओं का समय पर निपटारा हो सके। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के सुशासन की दिशा में यह बड़ा कदम है, क्योंकि हम जनता की समस्याओं का तुरंत व प्रभावी समाधान चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को अलीपुर स्थित जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) कार्यालय परिसर में नवनिर्मित जिला विकास समिति (डीडीसी) चेयरमैन ऑफिस के उद्घाटन पर यह जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने जनसुनवाई के माध्यम से जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान की प्रतिबद्धता दोहराई और शदिल्ली को कूड़े से आजादीश अभियान के तहत श्रमदान कर स्वच्छ दिल्ली के लिए जन–सहभागिता की अपील की। इस विशेष कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद योगेंद्र चांदोलिया, दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इन्द्राज सिंह, जिला विकास समिति के चेयरमैन राजकुमार भाटिया, विधायक अशोक गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

वार्ता से रास्ता निकले

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की यह उम्मीद कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। अच्छी बात यह है कि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद बातचीत का रास्ता बंद नहीं हुआ है। वॉशिंगटन और नई दिल्ली, दोनों मिलकर इस मसले को सुलझा सकते हैं।

भड़काने वाले बयान

भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50: टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। एक धड़ा कूटनीतिक सीमाओं के इतर जाकर बयानबाजी कर रहा है और जिसकी वजह से दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ा है। वहीं, दूसरे धड़े का मानना है कि रूस से तेल खरीदने के लिए केवल भारत को निशाना बनाना सही नहीं, जबकि सबसे बड़ा खरीदार चीन है। ऐसे माहौल में जरूरी है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। अच्छी बात यह है कि बेसेंट के मुताबिक, दोनों पक्ष मौजूदा हालात को लेकर चिंतित हैं और मसले को सुलझाना चाहते हैं।

आपसी सहयोग जरूरी

भारत–अमेरिका का रिश्ता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। हाल के बरसों में दोनों ने सुरक्षा, तकनीक, ऊर्जा समेत दूसरे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाया है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, वॉशिंगटन में यह भी चिंता है कि पिछले दो दशकों में भारत–अमेरिका रिश्तों में जो प्रगति हुई थी, वह इन कुछ दिनों में बेकार हो गई।

दुनिया पर असर

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका सबसे पुराना लोकतंत्र। भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और अमेरिका सबसे अमीर अर्थव्यवस्था। दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ता है, तो असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। अमेरिकी मांग के अनुसार, भारत अगर रूस से खरीदारी बंद भी कर देता है, तो इससे ग्लोबल ऑयल सप्लाई बाधित होगी और तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। ै इस पहलू को लगातार नजरअंदाज कर रहा है।

गतिरोध खत्म हो

दोनों देशों के बीच पिछले एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार लगभग दोगुना हो गया है और इसे 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन यह तभी संभव है, जब मौजूदा गतिरोध खत्म हो। इसके लिए बातचीत ही रास्ता है। अड़ियल रुख अपनाने के बजाय अमेरिका को भारतीय नजरिया समझने की जरूरत है।

टैरिफ की चुनौतियों के बीच चीन से सहयोग की संभावनाएं

संजय

अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बाद तेजी से बदले वैश्विक वातावरण में अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत से चिढ़कर जिस तरह सबसे अधिक 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया, उसका सामना करने के लिए मोदी सरकार ने कमर कस ली है। उनकी जापान और चीन यात्रा को इसी सिलसिले में देखा जा रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री की जापान और चीन यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है। इस पर पूरी दुनिया की निगाह है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन पर भी मनमाना टैरिफ लगाया था, लेकिन जब उसने प्रतिकार किया तो वे उसे कम करने और उससे वार्ता करने को बाध्य हुए। वे इसलिए भी बाध्य हुए, क्योंकि अमेरिका को अपनी अर्थव्यवस्था चलाने के लिए चीन की सख्त जरूरत है। अमेरिका ने टैरिफ के मामले में जापान से भी समझौता किया, पर वह खटाई में पड़ गया। जापान उन शर्तों को पूरा करने पर सहमत नहीं, जो ट्रंप ने उस पर लगाई थीं। एक शर्त के अनुसार जापान को अमेरिका में 550 अरब डालर का निवेश करना था। जापान इस निवेश को लेकर असमंजस में है। इन्हीं स्थितियों में जापान ने भारत में निवेश करने की एक बड़ी पहल की है। जापानी कंपनियों ने अगले 10 वर्षों में छह लाख करोड़ रुपये निवेश करने पर सहमति जताई है। यह सहमति भारतीय अर्थव्यवस्था को बल प्रदान करने वाली है। वैसे तो भारत और जापान के रिश्ते पहले से ही प्रगाढ़ रहे हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि मौजूदा हालात में वे और अधिक मजबूत होने वाले हैं। प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से अधिक दिलचस्पी लोगों को उनकी चीन यात्रा को लेकर है। प्रधानमंत्री मोदी चीन में शंघाई सहयोग संगठन में हिस्सा लेने के लिए जापान के बाद वहां पहुंचे हैं। यह उनकी सात वर्षों बाद होने वाली चीन यात्रा है। भारत और चीन के संबंध 2020 में लद्दाख की गलवन घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच खूनी झड़प के बाद से बिगड़ गए थे। हाल में वे कुछ सुधरे हैं। देखना यह है कि भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद इन संबंधों में कितना सुधार आता है? चीन भी अमेरिका के रवैये के कारण भारत से संबंध सुधारने का इच्छुक है। वह भारत से आर्थिक मोर्चे पर कुछ ऐसे समझौते चाहता है, जिससे अमेरिकी चुनौती का सामना किया जा सके। निश्चित रूप से भारत को भी इस समय चीन की जरूरत है। इसका एक कारण तो अमेरिकी राष्ट्रपति का भारत विरोधी रवैया है और दूसरा, हमारे आर्थिक विकास में चीन का सहयोग महत्वपूर्ण होना है। भारत और चीन के रिश्ते आजादी के बाद से ही उलझे रहे हैं। इन संबंधों में उतार–चढ़ाव आता रहा है। चीन ने भारत के हिंदी–चीनी भाई–भाई नारे की आड़ में भारतीय हितों पर कई बार आघात किया है। 1962 के युद्ध के बाद वह हमारे एक भूभाग को दबाए बैठा है और अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करता रहता है। पहले डोकलाम और फिर गलवन घाटी की घटना के बाद भारत में चीन के प्रति संदेह बढ़ा है। भारत चीन को एक विस्तारवादी देश मानता है। इस मान्यता के पीछे कुछ ठोस कारण हैं। वास्तव में उसकी विस्तारवादी नीति भारत के संदेह का एक बड़ा कारण है। इसके बाद भी इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के आर्थिक–व्यापारिक रिश्ते बहुत आगे बढ़े हैं। भारत का शायद ही कोई सेक्टर हो, जो चीनी सामग्री आयात न करता हो। इसी कारण भारत का आयात बिल बढ़ता जा रहा है। भारत और चीन के बीच व्यापार का पलड़ा चीन के पक्ष में झुका हुआ है। भारत तमाम प्रयासों के बाद भी चीन के साथ अपने व्यापार घाटे को कम नहीं कर पा रहा है। चीन भी इस दिशा में कुछ करने के लिए तैयार नहीं दिखता। उसका यह रवैया भी उसके प्रति संदेह को बढ़ाता है। जब–जब चीन के साथ रिश्ते खराब होते हैं, तब–तब देश में स्वदेशी की आवाज उठती है और कुछ लोगों एवं संगठनों की ओर से चीनी वस्तुओं के बहिष्कार की बातें भी की जाती हैं, लेकिन सच यही है कि स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की पहल ने कोई खास असर नहीं दिखाया है। कोविड महामारी के समय और फिर गलवन घाटी की घटना के बाद स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की बातें तो खूब की गईं, लेकिन बात बनी नहीं। अभी जब अमेरिका के साथ रिश्ते खराब हुए, तब प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, दोनों ने स्वदेशी की पक्षधरता की, लेकिन हमारे छोटे–बड़े उद्योगपति आनन–फानन स्वदेशी की राह पर चलने में सक्षम नहीं दिख रहे हैं। यह वह हकीकत है, जिसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। एक हकीकत यह भी है भारत में आवश्यक भारी मशीनों, रसायनों, उच्च तकनीक आदि की कमी है। इन सबकी आपूर्ति चीन से होती है। चीनी वस्तुओं पर भारत की निर्भरता और चीन के दुनिया का कारखाना बनने के पीछे कारण यह है कि वह विश्व के लिए आवश्यक तमाम सामग्री का बड़े पैमाने पर उत्पादन करता है। उसने गुणवत्ता के मामले में भी सुधार किया है और उसकी वस्तुएं सस्ती भी पड़ती हैं। उसने उच्च तकनीक भी हासिल कर ली है। यह वह एक और कारण है, जिसके चलते भारत के तमाम उद्योग चीन पर अपनी निर्भरता खत्म नहीं कर पा रहे हैं। भारत को अपने तेज आर्थिक विकास और आधारभूत ढांचे को बेहतर बनाने के लिए जिस तकनीक, सामग्री और आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है, वह चीन उपलब्ध कराने में समर्थ है, लेकिन भारत उससे अधिकाधिक सहयोग तभी ले सकता है, जब दोनों देशों के रिश्ते बेहतर हों। इसके लिए भारत को भी सक्रिय होना होगा और चीन को भी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बेतुके रवैये ने भारत को एक अवसर प्रदान किया है। भारतीय प्रधानमंत्री की चीन यात्रा को इसी अवसर को भुनाने के संदर्भ में देखा जा रहा है। जापान में भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। यदि चीन इस साझेदारी के महत्व को समझ सके तो भारत के साथ–साथ उसे भी लाभ होगा।

जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक

आदित्य

विपक्ष शासित आठ राज्यों ने वस्तु एवं सेवा कर अर्थात जीएसटी की दो श्रेणियां तय किए जाने की घोषणा पर जिस तरह सहमति जताई और साथ ही कुछ शर्तें भी आगे रख दीं, उससे फिलहाल यह अनुमान लगाना कठिन है कि आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में क्या होगा? इन राज्यों की ओर से कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने जीएसटी की दो श्रेणियां करने पर कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों की ओर से अपनी तीन मांगें रखी हैं। अच्छा होता कि इस संदर्भ में संबंधित राज्य जीएसटी काउंसिल की बैठक में अपनी बात रखते। क्या जीएसटी के दो स्लैब को लेकर विपक्ष शासित राज्यों के राजनीतिक दल और विशेष रूप से कांग्रेस श्रेय लेने की राजनीति कर रही है अथवा यह दिखाना चाहती है कि वह हर मामले में विरोध जताना जारी रखेगी? कहना कठिन है कि क्या पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड आदि राज्यों ने जीएसटी के मामले में कांग्रेस को अपना प्रतिनिधित्व सौंप दिया है? जो भी हो, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कांग्रेस जीएसटी की दो श्रेणियों की पैरवी करती रही है। क्या तब उसे इसके परिणामों और खासकर राजस्व में फौरी कमी आने का

भान नहीं था? जीएसटी को जब सभी दलों की ओर से संसद में सहमति मिली थी तो उसे आर्थिक सुधार के मामले में एक मील के पत्थर की तरह देखा गया था और पक्ष–विपक्ष के दलों के रवैये को सराहा गया था, लेकिन बाद में राहुल गांधी संकीर्ण राजनीतिक कारणों से जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स बताने लगे। इससे इनकार नहीं कि जीएसटी में समय–समय पर अनेक बदलाव करने पड़े हैं और संभवतः उसकी दो श्रेणियां बनाए जाने के बाद भी यह सिलसिला कायम रहे, लेकिन आखिर ऐसा कौन सा कानून है, जिसमें समय के साथ कुछ फेरबदल करने की आवश्यकता नहीं होती? जीएसटी की दो ही श्रेणियां किया जाना समय की मांग है। बेहतर होता कि यह मांग और पहले पूरी हो जाती। अब तो इसमें बाधा नहीं खड़ी की जानी चाहिए। आर्थिक मामलों में दलगत राजनीतिक हितों से ऊपर उठने की आवश्यकता होती है। इस आवश्यकता को क्षेत्रीय दलों को न सही, कम से कम कांग्रेस को तो समझना चाहिए और उसकी पूर्ति में सहायक भी बनना चाहिए। निश्चित रूप से सभी राज्यों को जीएसटी में सुधारों के मामले में अपने सुझाव देने और अपनी आशंका व्यक्त करने का अधिकार है, लेकिन इसके नाम पर अड़ंगा लगाने का काम नहीं किया जाना चाहिए। तब तो बिल्कुल भी नहीं किया जाना चाहिए, जब जीएसटी सुधारों से राष्ट्रीय हितों का संधान हो रहा हो और आम आदमी के साथ–साथ उद्योग जगत को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त इसके जरिये ट्रंप टैरिफ की चुनौती का सामना करने में भी आसानी होगी।

.... विविध ....

नवरात्रि में देवी दर्शन का है मन? 5 जगहों में से एक को चुनें और अभी कराएं बुकिंग

अगर आप आने वाली शारदीय नवरात्रि को खास बनाना चाहते हैं और माता रानी के विभिन्न रूपों के दर्शन की इच्छा रखते हैं, तो अभी से अपनी यात्रा की योजना बनाना शुरू कर दें। नवरात्रि के दौरान देशभर के शक्तिपीठों और देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, ऐसे में समय पर बुकिंग न होने पर दर्शन करना मुश्किल हो सकता है। भारत में कई ऐसे प्रसिद्ध शक्तिपीठ हैं, जहां देवी के अलग–अलग स्वरूपों की भव्य आराधना होती है। इस लेख में हम आपको पांच प्रमुख शक्तिपीठों के बारे में बताएंगे, जहां नवरात्रि में दर्शन करने से विशेष पुण्य मिलता है। तो बस अभी से प्लान बनाकर बुकिंग्स कर लें, ताकि आखिरी समय पर आपको ज्यादा दिक्कत न हो और आप माता रानी के दर्शन को जा सकें।

वैष्णो देवी, जम्मू–कश्मीर

त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित, यह मंदिर मां वैष्णो देवी का सबसे प्रसिद्ध धाम है। नवरात्रि में यहां भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। यहां अगर आप जाने का मन बना रहे हैं तो पहले से प्लान बना लें, क्योंकि नवरात्रि के दिनों में यहां काफी भीड़ होती है। अगर आप अभी से प्लान बनाकर बुकिंग नहीं करेंगे तो हो सकता है कि उस वक्त आपको रहने की जगह भी न मिले।

कामाख्या देवी मंदिर, असम

यदि आप असम या उसके आस–पास रहते हैं तो कामाख्या माता के दर्शन के लिए जा सकते हैं। असम के गुवाहाटी में स्थित यह शक्तिपीठ तांत्रिक पूजा के लिए प्रसिद्ध है और नवरात्रि में यहां विशेष पूजा होती है। यहां जाने के लिए भी आपको पहने से फ्लाइट या ट्रेन बुक करनी पड़ेगी। इसके साथ–साथ रहने के लिए होटल की बुकिंग भी पहले से कर लें।

कालीघाट मंदिर, कोलकाता

कोलकाता का यह मंदिर मां काली को समर्पित है। दुर्गा पूजा और नवरात्रि के समय यह विशेष रूप से सजता है। इस मंदिर में देवी काली के प्रचण्ड रूप की प्रतिमा स्थापित है, जिसकी जीभ सोने की बनी हुई है। मान्यता है कि यहां जो भी माता के दर्शन करने आता है। उनकी हर मनोकामना पूरी होती है। इसलिए आप यहां जाने का प्लान भी अभी से बना सकते हैं।

ज्वाला देवी मंदिर, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में ज्वाला देवी मंदिर स्थित है। ये मंदिर मां ज्वाला को समर्पित है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर में प्राकृतिक रूप से अग्नि की ज्वालाएं प्रकट होती हैं। नवरात्रि में यहां विशेष धार्मिक आयोजन होते हैं। इसलिए आप शारदीय नवरात्रि के मौके पर यहां जाने का प्लान भी बना सकते हैं।

नैना देवी मंदिर, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि ये देवी के प्रसिद्ध शक्तिपीठों में एक है, जहां माता सती के नेत्र गिरे थे। यहां दूर–दूर से श्रद्धालु हर साल दर्शन करने आते हैं। इसलिए आप भी हिमाचल जाने का प्लान कर रहे हैं तो नैना देवी मंदिर के दर्शन भी अवश्य करें।

सॉफ्ट–सॉफ्ट दही वड़ा

अगर आप भी हर संडे अपने बच्चों को कुछ खास और स्वादिष्ट खिलाने की सोचते हैं, तो दही वड़ा एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। ये न सिर्फ टेस्टी होता है, बल्कि पेट के लिए हल्का और पचाने में आसान भी होता है। घर पर बना दही वड़ा बाजार से कहीं ज्यादा सॉफ्ट और हेल्दी होता है, खासकर जब आप उसे अपने हाथों से प्यार से तैयार करें। इस लेख में हम आपको बताएंगे दही वड़ा बनाने की आसान रेसिपी और कुछ ट्रिक्स, जिनसे आपके दही वड़े बिल्कुल होटल जैसा स्वाद देंगे।

दही वड़े बनाने का सामान

सफेद उड़द दाल – 1 कप

दही – 2 कप

चीनी – 1–2 टीस्पून

नमक – स्वाद अनुसार

धनिया पत्ती – 1 टेबलस्पून (कटी हुई)

भुना हुआ जीरा पाउडर – 1 टीस्पून

लाल मिर्च पाउडर – 1 टीस्पून

सेंधा नमक – 1/2 टीस्पून

तेल – तलने के लिए

सोंठ

हरी चटनी

विधि

अगर आप आज ही दही वड़ा बनाना चाहती हैं तो सबसे पहले तुरंत सफेद उड़द की दाल को कम से कम 5 घंटे के लिए भिगोकर रख लें। अब पांच घंटे के बाद इसी मिक्सी में डालकर पीस लें। ध्यान रखें कि इसे आपको बेहद नामभर का पानी डालकर पीसना है।

अब बारी है इसका पेस्ट तैयार करनी की तो उसके लिए एक बड़े बाउल में पिसी हुई दाल लेकर उसमें नमक डालें और अच्छी तरह से मिक्स करें। अब कड़ाही में तेल गर्म करके उसमें छोटे–छोटे वड़े बनाकर डालें और इन्हें फूलने तक तलें। जब ये फूल जाएं तो इसे निकालकर एक टिश्यू पर रख लें।

इन वड़ों को अब कम से 15 मिनट के लिए ठंडे पानी में डाल दें, ताकि ये सॉफ्ट हो जाएं। इसके बाद इन्हें पानी से निकालकर निचौड़ें और उसे फेंटे हुए दही में डाल दें।

इसके बाद बारी आती है दही वड़ों को सजाने की तो उसके लिए दही से वड़ों को निकालकर प्लेट में रखेंगे। वड़े निकालने के बाद फेंटा हुआ दही वड़ों पर डालें। इसके बाद ऊपर से थोड़ा चीनी, नमक और भुना हुआ जीरा पाउडर छिड़कें। आखिर में इसमें सोंठ और हरी चटनी डालें। चाहें तो ऊपर हरी धनिया से इसे सजा सकते हैं। बस ये दही वड़े तैयार हैं।

अधिक वर्कलोड के कारण शरीर में हो सकती हैं ये स्वास्थ्य समस्याएं

आजकल के प्रतिस्पर्धी माहौल में, नौकरी में अत्यधिक वर्कलोड एक आम बात हो गई है। लंबे समय तक काम करना और लगातार दबाव में रहना न केवल हमें मानसिक रूप से थकाता है, बल्कि हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है। कई शोधों में इस बात की पुष्टि हुई है कि ज्यादा काम का बोझ सीधे तौर पर हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। यह केवल मानसिक तनाव और थकान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शरीर के अंदरूनी कार्यों पर भी बुरा असर डालता है, जिससे गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। यह समझना जरूरी है कि अत्यधिक वर्कलोड का असर हमारे शरीर के हर हिस्से पर पड़ता है। यह हमारे दिल, पाचन तंत्र, और प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकता है। आइए इस लेख में हम जानते हैं कि ज्यादा काम का बोझ हमारे शरीर को कैसे प्रभावित कर सकता है?

मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर

अत्यधिक वर्कलोड से सबसे ज्यादा नुकसान हमारे मानसिक स्वास्थ्य को होता है। लगातार काम के दबाव में रहने से तनाव, एंग्जायटी और डिप्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। लोग चिड़चिड़ापन, निराशा और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई महसूस कर सकते हैं। यह समस्या अक्सर नींद की कमी के साथ मिलकर स्थिति को और भी खराब कर देती है।

हृदय रोग का बढ़ता जोखिम

एक शोध के अनुसार ज्यादा वर्कलोड सीधे तौर पर उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों से जुड़ा है। जब आप तनाव में होते हैं, तो आपका शरीर तनाव हार्मोन, जैसे कि कोर्टिसोल, छोड़ता है, जो रक्तचाप को बढ़ा सकता है। यह हार्मोनल असंतुलन लंबे समय में हृदय को नुकसान पहुंचाता है और दिल के दौरे का खतरा बढ़ा देता है।

मोटापा और पाचन संबंधी समस्याएं

अत्यधिक वर्कलोड के कारण लोग अक्सर अनहेल्दी खानपान की आदतें अपना लेते हैं। वे जल्दी–जल्दी खाते हैं, जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड का सेवन ज्यादा करते हैं। तनाव के कारण शरीर में फैट भी जमा होने लगता है, जिससे मोटापा बढ़ता है। इसके अलावा मानसिक तनाव की वजह से पाचन तंत्र भी प्रभावित होता है, जिससे अपच, गैस और कब्ज जैसी समस्याएं भी देखने को मिलती हैं।

शारीरिक दर्द और कमजोर इम्यून सिस्टम

लंबे समय तक एक ही जगह बैठकर काम करने से पीठ, गर्दन और कंधों में दर्द हो सकता है। इसके अलावा अत्यधिक तनाव हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है। जब इम्यून सिस्टम कमजोर होता है, तो हम आसानी से वायरल संक्रमण और अन्य बीमारियों का शिकार हो सकते हैं।

बचाव के उपाय

अत्यधिक वर्कलोड से बचने के लिए, काम और आराम के बीच संतुलन बनाना बहुत जरूरी है। नियमित ब्रेक लें, हल्का–फुल्का व्यायाम करें और संतुलित आहार अपनाएं। जरूरत पड़ने पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करें और मदद मांगें।

सामूहिक दुष्कर्म में बाल अपचारी को पकड़ा, सदमे से पिता की मौत

वाराणसी, संवाददाता। चौबेपुर में किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में बाल अपचारी के शनिवार को पकड़े जाने के बाद सदमे में उसके पिता की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, बाल अपचारी के पिता बीमार थे। सामूहिक दुष्कर्म मामले में दो बाल अपचारी पकड़े गए हैं। जबकि पांच आरोपी गिरफ्तार किए गए। सभी जेल में है। पांच दिन पहले पीड़िता ने बच्चे को जन्म दिया। वहीं, इस मामले में चौबेपुर थाना प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार वर्मा ने बताया कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, थाना क्षेत्र के एक गांव की सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता ने बीते सोमवार की शाम बेटी को जन्म दिया है।

ये है पूरा मामला

आरोप है कि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई थी इसलिए आरोपी पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे थे। इन आरोपों के बाद पुलिस ने मंगलवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। यह कार्रवाई सामूहिक दुष्कर्म के नौ महीने बाद हुई है। पीड़िता के पिता ने बताया कि दिसंबर 2024 में 16 वर्षीय बेटी खेत में गई थी, तभी गांव के सात मनबढ़ों ने उसे गन्ने के खेत में खींच लिया और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। बेटी जब गर्भवती हुई तो 29 जून की रात चौबेपुर थाने की पुलिस ने तहरीर के आधार पर सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज किया लेकिन मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं की। सिर्फ दो आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। जो आरोपी बाहर हैं, वह पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। शिकायत के बाद मंगलवार को एक और आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी दी गई है।

पुलिस ने किया एनकाउंटर

भदोही, संवाददाता। यूपी के भदोही स्थित औराई कोतवाली के बारी गांव की हरिजन बस्ती में मामा ने अपनी भांजी के चेहरे पर इंजेक्शन से एसिड डाल दिया। वह अपनी दूर की भांजी से प्रेम करता था। रविवार को युवती की छेकाई की रस्म थी। मामा ने कमरे की खिड़की से युवती के चेहरे पर तेजाब डाला। जिससे युवती का चेहरे पर गाल का एक हिस्सा और हाथ जल गए। देर रात पुलिस ने आरोपी मामा को सहसेपुर में ही रेलवे पटरी के दक्षिण तरफ मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। औराई कोतवाली क्षेत्र के बारी गांव हरिजन बस्ती निवासी सहोदर दलित की 19 वर्षीय लड़की की रविवार को छेकाई (रोका) थी। युवती के दूर के रिश्ते में मामा लगने वाले मुकेश निवासी सहसेपुर टेढ़वा रविवार की भोर प्रेमिका के घर पहुंचा। बताया जा रहा था कि वह युवती से प्रेम करता था। छेकाई होने से वह नाराज था। रविवार की दोपहर घर में युवती के छेकाई की तैयारी कर रही थी। इस बीच वह इंजेक्शन में एसिड भरकर कर खिड़की से उसके चेहरे पर डाल दिया। संयोग अच्छा था कि एसिड उसके पूरे चेहरे पर नहीं पड़ा। बल्कि उसके एक तरफ गाल और हाथ पर पड़ा। जिससे वह जल गई। परिवार वाले उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औराई ले गए।

जहां प्राथमिक उपचार के बाद फिर उसे घर छोड़ दिया गया। रविवार को ही लड़की को छेंकने वाले उसके घर पहुंचे और लड़की की छेंकाई भी हुई। परिजनों ने औराई कोतवाली में मुकेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। युवक की तलाश में उसके घर पहुंची पुलिस ने उसके घर से दो लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस युवक के तलाश में थी। इस बीच सहसेपुर में रेलवे पटरी के दक्षिण तरफ उसे रोकना चाहा तो उसने पुलिस पर फायर झोंक दिया। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने एक तमंचा बरामद किया है।

युवती के प्रेमी की हो चुकी है पिटाई

इसका प्रेमी मामा तीन महीने पहले गांव में ही पकड़ा गया था। लोगों ने उसकी पिटाई की थी। पुलिस भी आई थी। पुलिस के सामने ही इसके परिवार के लोग पहुंचे थे। इसने अपनी गलती स्वीकार की थी और दोबारा ऐसा न करने की बात कही थी। प्रेमी मामा की शादी हो चुकी है। उसके दो बच्चे भी हैं। मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम को लगाया गया था। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में थी। इस बीच उसने पुलिस ने फायर करने का प्रयास किया। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लगी है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

500वां जश्न-ए-ईद मिलाद-उन-नबी मोहम्मद साहब की विलादत के मौके पर सदर हॉस्पिटल में हुआ फल वितरण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर हजरत मोहम्मद साहब की 1500वीं जश्न–ए–विलादत के अवसर पर सदर हॉस्पिटल (जौनपुर) में फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दावत–ए–इस्लामी हिन्द की टीम इंचार्ज गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन द्वारा आयोजित किया गया। इस दौरान अस्पताल में भर्ती मरीजों और डॉक्टरों को फल वितरित किए गए। साथ ही मोहम्मद साहब के बताए पैगाम कृ इंसानियत, मोहब्बत और रहमत कृ को आम लोगों तक पहुँचाया गया। इस आयोजन में हिन्दू–मुस्लिम एकता और गंगा–जमुनी तहजीब की झलक देखने को मिली। इसे आपसी भाईचारे, अमन–शांति और इंसानियत की सच्ची खिदमत बताया गया। डॉ. जावेदरू "पैगम्बर–ए–इस्लाम मोहम्मद साहब ने हमेशा इंसानियत, मोहब्बत और रहमत का पैगाम दिया है। हमें भी समाज में आपसी मोहब्बत और भाईचारे को मजबूत करना चाहिए।" अकिब अत्तारी रू "ऐसे कार्यक्रम न केवल मरीजों को हिम्मत देते हैं बल्कि उनके मनोबल को भी बढ़ाते हैं।" मोहसिन अत्तारीरू "भारत की असली ताकत इसकी गंगा–जमुनी तहजीब है। हिन्दू–मुस्लिम एकता देश की ताजगी और भाईचारे का प्रतीक है।" कार्यक्रम में नगर के कई गणमान्य लोग शामिल हुए, जिनमें मोहसिन आत्तारी, अकिब आत्तारी, गुफरान आत्तारी, इश्तियाक शेख, कलीम आत्तारी, आदि मौजूद रहे।

खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि एक स्वस्थ जीवनशैली, एकता और शांति का माध्यम भी–राजेशराज गुप्ता

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर लायन्स क्लब जौनपुर मेन द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में फिट इंडिया मिशन के तहत शांतिपूर्ण और समावेशी समाज को बढ़ावा देने हेतु खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन थीम– श्एक घंटा, खेल के मैदान मेंश के अन्तर्गत स्थान कांसा फेलिज लान में किया गया। जिसमें महिला और पुरुष वर्ग में विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं हुई।

प्रतियोगिता में थ्रोइंग फुटबॉल में पूजा चौरसिया प्रथम प्रकाशनी अग्रहरी द्वितीय, ग्रुप दौड़ में ममता उपाध्याय व पूजा त्रिपाठी प्रथम, मधु चतुर्वेदी व हेमा श्रीवास्तव द्वितीय, बैडमिंटन में मिदहत फात्मा प्रथम, ज्योति साहू द्वितीय तैराकी में संजीव मौर्य प्रथम डा अजीत कपूर द्वितीय, रितेश साहू तृतीय, रस्सी कूद में गीता गुप्ता प्रथम, रविन्द्र कौर द्वितीय और व्यायाम अपोजिट एक्शन प्रतियोगिता में पूजा चौरसिया प्रथम, कविता वर्मा द्वितीय स्थान पर रहे। जिन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष सीए राजेश राज गुप्ता ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि एक स्वस्थ जीवनशैली, एकता और शांति का माध्यम भी है।

सामूहिक दुष्कर्म से पैदा हुई बच्ची की मौत

वाराणसी, संवाददाता। सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता से पैदा हुई बच्ची की रविवार की सुबह छह बजे मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मासूम बच्ची के शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया। सामूहिक दुराचार के बाद पीड़िता को पिछले सात दिनों पूर्व सोमवार की रात 12 बजे अचानक पेट में दर्द होने पर उसके मामी–मामा और परिजन पंडित दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ऑटो से ले जा रहे थे, तभी डुबकियां बाजार के समीप पहुंचते ही हालत गंभीर हो गई। ऑटो चालक एक निजी क्लीनिक पर ले गया, जहां उसे एक बच्ची पैदा हुई। क्लिनिक पर खास कोई व्यवस्था न होने के कारण परिजनों ने उसे पंडित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल पहुंचने के लिए एम्बुलेंस के लिए डायल 108 पर फोन किया, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। इस पर परिजनों ने ऑटो से ही पीड़िता को अस्पताल पहुंचाया।

सभी आरोपी गिरफ्तार

बच्ची पैदा होने के बाद पीड़िता अपने मामा के गांव पहुंची, जहां पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए दो कांस्टेबल व महिला आरक्षी तैनात किए गए। पीड़िता के मामा ने बताया कि सुबह बच्ची बिल्कुल सामान्य थी। आज यानी रविवार की छह बजे अचानक उसकी मौत हो गई। सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों ने इसकी जानकारी प्रभारी निरीक्षक को दी। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार वर्मा ने बताया कि नवजात बच्ची के शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया गया।

जिले को मिलीं चार बसें, ग्रामीण अंचलों में चलेंगी

पीलीभीत, संवाददाता। जनपद सृजन के तीन दशक बाद जनपद के ग्रामीण अंचलों के लिए चार नई बसों की सौगात मिली है। ये बसें औराई रोडवेज स्टेशन से होते हुए जिले के ग्रामीण अंचलों में संचालित होंगी। शनिवार को दोपहर सांसद डॉ. विनोद बिंद, औराई विधायक दीनानाथ भास्कर, ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे, जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, आरएम और एआरएम ने हरी झंडी दिखाकर चारों बसों को रवाना किया। प्रयागराज और वाराणसी के मध्य औराई बस स्टेशन से जिन बसों का संचालन किया गया है, वे वाराणसी से चलकर गोपीगंज होते हुए सेमराधनाथ धाम, धनतुलसी कोनिया कटरा, दुर्गागंज और अकोढ़ा–रोही के लिए चलेंगी। अब तक इन इलाकों में सरकारी बसों की सुविधा न होने के चलते लोग अधिक पैसे देकर डग्गामार वाहनों का सहारा लेते थे। औराई बस स्टेशन तीन एकड़ में फैला हुआ है। जहां 50 बसों के रुकने के लिए लंबा चौड़ा परिसर, प्रतीक्षालय, सुलभ शौचालय, समेत अन्य मूलभूत सुविधाएं मौजूद हैं।

इसके बाद भी यहां केवल केवल प्रयागराज से आने वाली बसों का ही ठहराव होता है। वह भी अगर कैंटीन चल रही है तो बसें आती हैं और नहीं तो सिक्सलेन से ही निकल जाती हैं। बस स्टेशन का नया भवन बनने के बाद जौनपुर, वाराणसी और मिर्जापुर से आने वाली बसों का कहीं अता पता नहीं है। हालांकि अब चार नई बसें मिली हैं। यह सभी बसें जिले के ग्रामीण इलाकों में चलेंगी। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, हौसला प्रसाद पाठक, नंदलाल पांडेय, अंबुज मिश्रा आदि रहे।

बाढ़ राहत शिविर में बिगड़ी युवक की तबीयत, जाम में 45 मिनट तक फंसी रही एंबुलेंस

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी जिले के सरैया स्थित आलिया गार्डेन में बनाए गए बाढ़ राहत शिविर में शनिवार दोपहर युवक साबिर (27) की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसे तेज बुखार होने के साथ ही सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। मौके पर मौजूद डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया और शहरी सीएचसी चौकाघाट के लिए रेफर कर दिया। शिविर में 108 नंबर एंबुलेंस को बुलाया गया। सीएचसी जाते समय रास्ते में 45 मिनट तक एंबुलेंस फंसी रह गई। इस वजह से परिजन परेशान हो गए।

आज से नहीं ले सकेंगे बिना हेलमेट के पंप पर पेट्रोल, अभियान शुरू

पीलीभीत, संवाददाता। दोपहिया वाहन चालक आज से पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं भरवा सकेंगे। आज से 'नो हेलमेट नो पेट्रोल' का अभियान चलाकर इसका सख्ती से पालन कराया जाएगा। परिवहन व पुलिस विभाग मिलकर पंपों पर पेट्रोल भरवाने आए चालकों की निगरानी करेंगे। शनिवार देर शाम इसको लेकर अफसरों के साथ सड़क सुरक्षा समिति की बैठक भी हुई। करीब तीन माह पूर्व परिवहन विभाग की ओर से 'नो हेलमेट नो पेट्रोल' का अभियान चलाया गया था। इस दौरान पेट्रोल पंप मालिकों को निर्देश जारी किए गए थे कि वह बिना हेलमेट लगाए दुपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल न दें। वहीं इसके प्रचार–प्रसार के लिए पेट्रोल पंप पर बैनर लगाकर इसका सख्ती से पालन कराने को कहा गया था। अफसरों के आदेश के बाद कुछ दिन तक तो इस अभियान का असर पेट्रोल पंपों पर दिखाई दिया, लेकिन इसके बाद हालत जस के तस हो गए। अब एक बार फिर इस अभियान को लेकर अफसरों ने सख्ती बरती है। शनिवार देर शाम डीएम की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। इसमें शासन से मिले निर्देशों का पालन कराने के निर्देश दिए गए।अधिकारियों ने पंप स्वामियों को बिना हेलमेट आए वाहन चालकों को पेट्रोल न देने की अपील की है।

जिले के 27 ब्लैक स्पॉट्स पर लगेंगी लाइट

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने ब्लैक स्पॉट्स की भी जानकारी ली। एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि जिले के 27 ब्लैक स्पॉट्स ऐसे हैं, जहां लाइटें नहीं लगी हैं। इससे वाहन चालक अक्सर हादसे का शिकार हो जाते हैं। जिले के 27 ब्लैक स्पॉट्स पर लाइटें लगवाई जाएंगी, ताकि हादसों में कमी लाई जा सके। वहीं जहानाबाद क्षेत्र में हुए हादसे के बाद वहां पर चिह्नित ब्लैक स्पॉट्स के 70 मीटर आगे व पीछे रंबल स्ट्रिपर लगवाए गए हैं। इसके अलावा डीएम ने निर्देश दिए हैं कि परिवहन विभाग डग्गामार वाहन व स्कूली वाहनों पर कार्रवाई करे।

ड्राइवरों को सचेत करती 'रंबल स्ट्रिपर'

'रंबल स्ट्रिपर' एक ऐसी सड़क सुरक्षा प्रणाली है, जो स्पर्शनीय कंपन और श्रव्य शोर के माध्यम से ड्राइवरों को सचेत करती है। ये रबर या टिकाऊ सिंथेटिक सामग्री से बनीं पट्टियां सड़कों पर कम गति को प्रोत्साहित करने और ड्राइवरों को सड़क से भटकने या स्टॉप साइन से चूकने से रोकने के लिए लगाई जाती हैं। जब वाहन इन रंबल स्ट्रिप्स से गुजरता है, तो रबर की सतह पर लगी उभरी हुई पट्टियां टायर के नीचे कंपन पैदा करती हैं। यह कंपन चालक को स्पर्श के माध्यम से महसूस होता है और टायर के सड़क से टकराने की आवाज के रूप में सुनाई देता है। यह संयुक्त प्रभाव चालक को सतर्क करता है, जिससे उसे सड़क से भटकने से रोका जाता है या उसे आने वाली बाधा (जैसे स्टॉप साइन या जंक्शन) का आभास कराया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

गौरव जन कल्याण संस्थान के संस्थापक की पांचवीं पुण्यतिथि मनाई गई

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

गौरव जन कल्याण संस्थान के संस्थापक पुण्यात्मा गिरीश चंद्र श्रीवास्तव की पंचम पुण्यतिथि पर आज आवास विकास कॉलोनी हरदोई में शांति हवन, श्रद्धांजलि समारोह एवं भंडारे का आयोजन किया गया। पुण्यात्मा गिरीश चंद्र श्रीवास्तव ने वकालत करते हुए भी समाज सेवा मे अपना अमूल्य योगदान दिया तथा इसी उद्देश्य के तहत गौरव जन कल्याण संस्थान की स्थापना की तथा लोगों के हित मे निस्वार्थ भाव से कार्य किया ।पंचम पुण्यतिथि पर सर्वप्रथम सुधा विद्यावाचस्पति द्वारा शांति हवन का आयोजन किया गया इसके पश्चात श्रद्धांजलि समारोह का आरम्भ उनकी पत्नी कुंजलता श्रीवास्तव द्वारा पुण्यात्मा गिरीश चंद्र श्रीवास्तव के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर व पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात परिवार के सभी सदस्यों ने व सभी अतिथियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर कुंजलता श्रीवास्तव , गौरव श्रीवास्तव, दीपिका श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव , बी ० एस ० पांडेय, शीला पांडेय,अभिषेक गुप्ता, अवधेश पांडेय, त्रिलोकी सिंह गौड़, मृदुल श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव , बसंत श्रीवास्तव, दीपक अस्थाना, चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, के.के. सिंह, अरविंद सिंह, आर० बी० वर्मा, पवन जैन, विजय अग्रवाल, अनिल गुप्ता, महेंद्र पटेल, आलोक श्रीवास्तव, रजत श्रीवास्तव , हर्षित श्रीवास्तव , सुनील कुमार सक्सेना, उमेश श्रीवास्तव, देवेंद्र सिंह, सुधीर तिवारी, आशीष अस्थाना, पुष्पलता श्रीवास्तव, सुनीता श्रीवास्तव , मनोज सक्सेना, अनुराग श्रीवास्तव, विनय श्रीवास्तव, ललित श्रीवास्तव , अजीत श्रीवास्तव, सी ० पी ० अस्थाना, प्रशांत श्रीवास्तव , रमेश श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव , मोहित राजा श्रीवास्तव ,शिबू , बाशू, स्वास्तिक , सात्विक, जय, शिवाय आदि सैकडो लोग उपस्थित रहे ।

सच और समस्याओं को उठाना पत्रकारिता का धर्म : अजय शुक्ला

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

रविवार को डाल सिंह मेमोरियल विद्यालय मंगली पुरवा के सभागार में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन द्वारा ग्रामीण पत्रकारिता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ला ने कहा कि ग्रामीण पत्रकारिता देश के विकास की रीढ़ है। पत्रकारो के द्वारा ग्रामीण समस्याओं को उठाने के बाद ही उनका समाधान होता है। कहा कि कार्य करने में कठिनाइयां अवश्य आती हैं, लेकिन उनका सामना करने के लिए साहस होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पत्रकारिता सच्ची समाजसेवा है। बैठक के दौरान आए दिन हो रहे पत्रकारों के उत्पीड़न पर गहरी चिंता जताई गई। तय हुआ कि एकजुट होकर इस प्रकार के अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया जाएगा। श्री अतुल कपूर ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय पत्रकारिता के हिसाब से बेहद चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। पत्रकार एकता पर बल दिया।कहा कि पत्रकार समाज का सच्चा प्रहरी होता है।

20 किलो राशन देकर पीड़ितों को उनके हाल पर छोड़ा

सीतापुर, संवाददाता। बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी से सीतापुर के महमूदाबाद तहसील क्षेत्र में सरयू का रौद्र रूप दिख रहा है। कटान से शुकुलपुरवा के रामरूप पुरवा, लोधन पुरवा, छोटे पुरवा, महाजन पुरवा, सुंदर पुरवा और झकटु पुरवा के अस्तित्व पर संकट गहरा गया है। भूषणपुरवा और लोधनपुरवा की पहचान मिटने वाली है। नदी मूल स्थान से दो किमी हटकर लगातार कटान कर रही है। करीब 100 कच्चे घर नदी में विलीन हो गए। बाढ़ प्रभावित परिवारों को मदद के नाम पर बस एक बार राशन किट मिली, जिसमें राशन के नाम पर 10 किलो आटा व 10 किलो चावल रहा। इसके बाद मदद के नाम पर ग्राम प्रधान श्रीराम ने बस चार दिन लंच पैकेट बंटवाए। अब वह भी बंद है। ऐसे में कटान प्रभावित ग्रामीणों के समक्ष पेट पालने की मुश्किल है। कटान प्रभावितों का असल हाल जानने के लिए हमें सरयू की दो सहायक नदियों को नाव से पार करना पड़ा। बंगाली घाट और बांके घाट होते हुए किसी तरह तबाह हुए रामरूप पुरवा पहुंचे। गांव की मीना यादव ने बताया कि राशन किट में लाई, चना, भूना चना, चीनी, बिस्कुट, माचिस, मोमबत्ती, नहाने का साबुन, बाल्टी, तिरपाल, आटा, चावल, आलू (10–10 किलो), अरहर दाल (दो किलो), हल्दी (200 ग्राम), मिर्च (100 ग्राम), सब्जी मसाला (200 ग्राम), सरसों का तेल और नमक मिला था। घर में खाने वाले 10–10 लोग हैं। बड़ी मुश्किल से 15 दिन काम चला। अब खाने के लाले हैं। प्रशासनिक अधिकारी दौरा तो करते हैं, लेकिन सभी ने हमें हमारे हाल पर ही छोड़ दिया है। अर्चना की भी दिक्कत यही है। परिवार में छह सदस्य हैं। एक बार राशन किट के बाद फिर कुछ नहीं मिला। जबूरी में रामपुर मथुरा जाकर परिवार के सदस्यों को मजदूरी करनी पड़ रही है, तब कहीं चूल्हा जल रहा है। हमें देखकर कटान से तबाह सुखदेई की आंख भर आई। रोते हुए बताया कि साहब सब तबाह हो गया। खेती नदी में समा गई। घर भी कट गया। छप्पर डालकर किसी तरह से समय काट रहे हैं। बुरा हाल है। उन्हें किसी तरह से चुप कराया। हमें मुनेश्वरी ने बताया कि पशुओं के टीकारण का भरोसा दिया गया था, लेकिन कोई यहां झांकने नहीं आया। पूरी व्यवस्था भगवान भरोसे ही है। अब तो यही चिंता सताती है कि शाम को घर का चूल्हा कैसे जलेगा। घर में अन्न का एक दाना भी नहीं बचा है।

3900 मरीजों ने मेले में कराया इलाज

सीतापुर, संवाददाता। लहरपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अकबरपुर में डॉ. अख्तर ने 77 मरीज, अकैचनपुर फरीदपुर में डॉ. प्रज्ञा शरण आनंद ने 75, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिलरिया में डॉ. आदित्य ने 79, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ढखेरा में डॉ. तलत जहां ने 72 व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खैरुल्लापुर में फार्मासिस्ट अशोक ने 67 मरीजों का इलाज किया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अरविंद वाजपेयी ने बताया कि बरसात के मौसम की वजह से सभी पीएचसी पर वायरल फीवर, खांसी, जुकाम व त्वचा रोग से पीड़ित अधिक मरीज आए।

80 ने करवाया इलाज

शहर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खूबपुर, सदर बाजार व दुर्गापुरवा में करीब 80 मरीजों ने दोपहर एक बजे तक इलाज करवाया। बरसात के चलते त्वचा रोग के अधिक मरीज पहुंचे। इन मरीजों को पांच दिन की दवाएं दी गई। बुखार के चलते 40 मरीजों को जिला अस्पताल व सीएचसी के माध्यम से मलेरिया की जांच करवाने की सलाह दी गई। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन जिले के 66 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को किया गया। मेले में करीब 3900 मरीजों ने इलाज करवाया। इस दौरान बुखार, खांसी, जुकाम, त्वचा रोग के अधिक मरीज पहुंचे।

मेले में सुबह से ही मरीजों का आना शुरू हो गया था। 10 बजे के बाद भीड़ उमड़ना शुरू हो गई। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दवा दी। कई दिन से बुखार आने पर मलेरिया की जांच करवाने की सलाह दी। त्वचा रोग में पीठ पर दाना, हाथ व पैर में खुजली, त्वचा पर लाल दाने के अधिक मरीज आए थे। हालांकि त्वचा व बुखार संबंधित रोगों की दवा मौजूद मिली। सीएमओ डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि मेले में पहले से ही दवा का स्टॉक भेजवा दिया गया था। इस समय दवाओं की कोई कमी नहीं है।

1400 पेड़ों के कटान के मामले में सुप्रीम कोर्ट गंभीर, तलब की रिपोर्ट

पीलीभीत, संवाददाता। राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण की जद में फंसे 1400 पेड़ों को काटने की प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है। अदालत ने उत्तर प्रदेश शासन से इस पूरी प्रक्रिया पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। मामला उस समय गरमाया जब स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता अधिवक्ता शिवम कश्यप ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर पेड़ों को बचाने की मांग उठाई।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पेड़ों की कटाई हुई तो वह चिपको आंदोलन जैसा जनआंदोलन खड़ा करेंगे। कश्यप ने अपनी याचिका में यह भी सवाल खड़ा किया कि जब राष्ट्रीय राजमार्ग मानकों के अनुरूप एक पूर्ण कार्यात्मक बाइपास पहले से मौजूद है, तो मौजूदा पेड़ों को काटने की जरूरत क्यों है।

नेहरू पार्क की चहारदीवारी गिरी, पार्क में हुआ जलभराव

पीलीभीत, संवाददाता। एक बार फिर बरसात के चलते नेहरू पार्क की बाउंड्री का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। इससे पीछे के हिस्से से बरसात का पानी पार्क में घुस आया व पार्क पूरी तरह से जलमग्न हो गया। नेहरू पार्क में हाल ही में 1.45 करोड़ रुपये की लागत से सुंदरीकरण का कार्य कराया गया था। कार्य की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठाकर शहर के सभासदों ने मामले की शिकायत भी की, जिसकी जांच चल रही है। वहीं नेहरू पार्क की बाउंड्रीवॉल का दूसरी बार गिरने का मामला सामने आया है।

रविवार को हुई मूसलाधार बारिश के चलते पार्क के पीछे की लगभग तीस फुट लंबी बाउंड्रीवॉल गिर गई। इससे पीछे के मैदान में भरा बरसात का पानी पार्क में घुस आया, व पार्क का तालाब में तब्दील कर दिया। इससे पूर्व में भी कुछ दिन पहले ठेका चौकी जाने वाले रास्ते पर नेहरू पार्क की दीवार गिर चुकी है, जो कि ठीक करा दी गई है। अधिशासी अधिकारी संजीव कुमार ने बताया कि पार्क की दीवार गिरने की जानकारी मिली है, पार्क का पानी कम होने पर उसको दुरूस्त कराया जाएगा।

बिजली गिरने से पेट्रोल पंप के सेल्समैन की मौत

पीलीभीत, संवाददाता। रविवार सुबह आसमान से गिरी आफत ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। गजरौला थाना क्षेत्र के गांव अमखेड़ा निवासी जितेंद्र यादव (32) पुत्र रमेश सिंह यादव की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। गांव अमखेड़ा निवासी जितेंद्र यादव थाना बरखेड़ा क्षेत्र के गांव शहपुरा स्थित एक पेट्रोल पंप पर सेल्समैन थे। शनिवार की रात ड्यूटी पूरी करने के बाद रविवार सुबह करीब 8 बजे वह मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पेट्रोल पंप के पास अचानक बिजली गिरने से वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी तुरंत पंप कर्मचारियों को दी।

संक्षिप्त खबरें

सर्फ दंश से मृतक खुशी के परिजनों से मिले राज्य मंत्री दिया चार लाख की सहायता राशि

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नौली निवासी खुशी पुत्री नागेंद्र प्रसाद का विगत दिनों सर्प दंश से निधन के उपरांत राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने सोमवार को नौली गांव जाकर शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर संवेदनायें प्रकट किया। और सर्फ दंश से मृतक खुशी की माता मनशउता पत्नी नागेंद्र को राज्य आपदा मोचक निधि के अंतर्गत 4,00,000– (चार लाख) की आर्थिक सहायता का स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष अजय यादव, अजय सिंह, मनीष श्रीवास्तव, धर्मेंद्र मिश्रा, इंद्रजीत विश्वकर्मा, लखेंद्रर राजभर, अमित राजभर सहित आदि लोग मौजूद रहे।

चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा को शौर्य पदक की घोषणा के उपरान्त सिविल डिफेंस ने किया सम्मानित

लखनऊ (प्रत्यूष पाण्डेय). भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा लखनऊ सिविल डिफेंस के चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा को शौर्य पदक की घोषणा के उपरान्त सिविल डिफेंस चौक डिविजन के तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन निरालानगर गेस्ट हाउस में डिविजनल वार्डेन सुनील कुमार शुक्ला द्वारा किया गया। डिविजनल वार्डेन सुनील कुमार शुक्ला ने चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्रा को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और

स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह की कड़ी में जेएसओ सुमित मौर्या, डिप्टी चीफ वार्डेन गुरप्रीत सिंह सेठी, स्टॉफ ऑफिसर टू चीफ वार्डेन ऋतुराज रस्तोगी, वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा, एडीसी मुकेश कुमार, नवनियुक्त सहादतगंज डिविजनल वार्डेन हरीश चन्द्र, नवनियुक्त राजाजीपुरम डिप्टी डिविजनल वार्डेन रामगोपाल सिंह को सम्मानित किया गया और साथ ही वार्डेनों को सम्मानित किया। डिप्टी डिविजनल वार्डेन जावेद जैदी, स्टॉफ ऑफिसर संदीप अग्रवाल, पोस्ट वार्डेन मनोज तिवारी, जगदीश कुमार यादव, रितेश पटेल, शहिद अखध्तर, पुनीत अग्रवाल, अखिल सोधी, बलकृष्ण सक्सेना, धीरज व्यास, हरीश चन्द यादव, नरेन्द्र गुप्ता, सैय्यद फखरुल इमाम, गुलजारी लाल यादव, अवनीश दीक्षित सहित सैकड़ों वार्डेन मौजूद रहें।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने 130वें संविधान संशोधन विधेयक 2025 का किया विरोध

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया। पार्टी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुननिरीक्षण और 130वें संविधान संशोधन विधेयक 2025 का विरोध किया। जिला मंत्री सालिक राम पटेल के नेतृत्व में पार्टी ने राष्ट्रपति को संबोधित एक मांग पत्र सौंपा। पार्टी का आरोप है कि ैप्‌ के नाम पर बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने इसे अलोकतांत्रिक प्रक्रिया बताते हुए तत्काल रोक लगाने की मांग की। पार्टी ने 130वें संविधान संशोधन विधेयक 2025 को लेकर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि यह विधेयक विपक्षी नेताओं को फर्जी तरीके से जेल में डालने और राज्यपालों के माध्यम से केंद्रीय शासन लागू करने का प्रयास है। प्रदर्शन में जय प्रकाश सिंह, सुभाष चंद्र पटेल, कल्पनाय गुप्त, रामनाथ यादव, सत्यनारायण पटेल, लालमणि सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। राकेश चंद्र मौर्य, लालजी यादव और उदल यादव भी विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल हुए।

श्री दुर्गा पूजा महासमिति, जौनपुर के आम सभा की आवश्यक बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर आगामी 22 सितम्बर 2025 से शुरू होने वाले शारदीय नवरात्र को लेकर श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर की आम सभा एक आवश्यक बैठक नगर के मंगलम लान में श्री दुर्गा पूजा महासमिति के अध्यक्ष मनीष देव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां दुर्गा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से शारदीय नवरात्र से पहले नगर की और ग्रामीण अंचल क्षेत्र में सड़कों की प्रमुख समस्या पर विचार किया गया साथ ही जिला प्रशासन से यह मांग किया गया है कि जल्द से जल्द इन सड़कों को गड्ढा मुक्त कराए जिससे नवरात्र में मां दुर्गा की प्रतिमाओं को लाने में कोई समस्या ना हो बिजली और साफ सफाई को लेकर भी जिला प्रशासन विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी समय से पहले अपने कार्य को संपन्न कारण जिससे पूजा समितियों को शारदीय नवरात्र को सब कुशल संपन्न कराने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना उत्पन्न हो। जल्द ही महा समिति के पदाधिकारी, संरक्षक मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग से मिलकर जन समस्याओं से संबंधित उन्हें पत्रक भी सौपगे। बैठक के दौरान बीते वर्ष सड़कों और बिजली की समस्या को लेकर काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था इसको लेकर लोगों में पूजन समितियों में काफी आक्रोश था इसके संबंध में महासमिति के अध्यक्ष ने लोगों को आश्वास्त किया कि जल्द ही जिला प्रशासन से मिलकर उनकी समस्याओं का निराकरण कराया जाएगा। अध्यक्ष मनीष देव ने सभी समितियों से आग्रह किया की आगामी 14 सितम्बर 2025 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में होटल रिवर व्यू मे सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।आगे उन्होंने कहा कि श्री दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा नगर के रिवर व्यू होटल पर विगत वर्षों की भाति इस वर्ष भी पुरस्कार वितरण व भव्य समारोह का आयोजन 14 सितंबर 2025 को किया गया है जिसमें दुर्गा पूजा समितियां व अन्य सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं को पुरस्कृत व सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूर्व अध्यक्ष संजय सिंह, मोतीलाल यादव, विजय सिंह बागी,अनिल अस्थान संरक्षक शोभ नाथ आर्य, चन्द्र प्रताप सोनी, विंध्याचल सिंह , श्री कान्त महेश्वरी, निखलेश सिंह एवं राधे कृष्णा ओझा के साथ प्रबन्धकारिणी के राहूल पाठक, डा. अतुल सिंह मुन्ना, विजय प्रताप सिंह, आशीष त्रिपाठी, निशा कान्त द्विवेदी आदि ने अपने विचार सदन में रखें।

भारत में 7 लाख 32 हजार गुरुकुल एवं विज्ञान की 20 से अधिक शाखाएं थीं

"गुरुकुल" के बारे में बहुत से लोगों को यह भ्रम है की वहाँ केवल संस्कृत की शिक्षा दी जाती थी जो की गलत है। भारत में विज्ञान की 20 से अधिक शाखाएं रही है जो की बहुत पुष्पित पल्लवित रही है जिसमें प्रमुख

1. खगोल शास्त्र
2. नक्षत्र शास्त्र
3. बर्फ बनाने का विज्ञान
4. धातु शास्त्र
5. रसायन शास्त्र
6. स्थापत्य शास्त्र
7. वनस्पति विज्ञान
8. नौका शास्त्र
9. यंत्र विज्ञान आदि इसके अतिरिक्त शौर्य (युद्ध) शिक्षा आदि कलाएँ भी प्रचुरता में रही है।

संस्कृत भाषा मुख्यतः माध्यम के रूप में, उपनिषद एवं वेद छात्रों में उच्चचरित्र एवं संस्कार निर्माण हेतु पढ़ाए जाते थे।

18 शताब्दी में भारत की जनसंख्या लगभग 20 करोड़ थी,

300 व्यक्तियों पर न्यूनतम एक गुरुकुल के अनुसार भारत में 7 लाख 32 सहस्त्र गुरुकुल होने चाहिए।

अब रोचक बात यह भी है की अंग्रेज प्रत्येक दस वर्ष में भारत में भारत का सर्वेक्षण करवाते थे उसी के अनुसार 1822 में लगभग भारत में कुल गांवों की संख्या भी लगभग 7 लाख 32 सहस्त्र थी,

अर्थात प्रत्येक गाँव में एक गुरुकुल। 16 से 17 वर्ष भारत में प्रवास करने वाले शिक्षाशास्त्री लुडलो ने भी 18 वी शताब्दी में यहीं लिखा की "भारत में एक भी गाँव ऐसा नहीं जिसमें गुरुकुल नहीं एवं एक भी बालक ऐसा नहीं जो गुरुकुल जाता नहीं"।

राजा की सहायता के अपितु, समाज से पोषित इन्ही गुरुकुलों के कारण 18 शताब्दी तक भारत में

साक्षरता 97: थी,

बालक के 5 वर्ष, 5 माह, 5 दिवस के होते ही उसका गुरुकुल में प्रवेश हो जाता था।

प्रतिदिन सूर्योदय से सूर्यास्त तक विध्यार्जन का क्रम 14 वर्ष तक चलता था। जब बालक सभी वर्गों के बालको के साथ निशुल्कः 20 से अधिक विषयों का अध्यन कर गुरुकुल से निकलता था।

तब आत्मनिर्भर, देश एवं समाज सेवा हेतु सक्षम हो जाता था

थोमस बेबिगटन मैकोले (टी.बी. मैकोले)

जब भारत आया तो कई वर्षों भारत में यात्राएँ एवं सर्वेक्षण करने के उपरांत समझ गया की अंग्रेजो, यवनों, मुगलों के द्वारा सम्पूर्ण भारत पर शासन करना क्यों सम्भव न हो सका

क्योकि इसकी जड इनकी संस्कृति,सभ्यता और शिक्षा व्यवस्था है यही से शूरवीर योधाओ और क्रांतिकारि बनते है

यदि हम इनकी संस्कृति, शिक्षा एवं सभ्यता का नाश करे तो इन्हें पराधीन किया जा सकता है

इसी कारण ÞIndian (British) Education Actß बना कर समस्त गुरुकुल बंद करवाए गए। जो आज भी चल रहा है

आज के राजनेताओ में वो साहस ही नहीं है जो भारत को उसके पूर्व शिखर पर बिठा सके

आप सोच रहे होंगे उस समय अमेरिका यूरोप की क्या स्थिति थी,

तो सामान्य बच्चों के लिए सार्वजानिक विद्यालयों की शुरुआत सबसे पहले इंग्लैण्ड में सन 1868 में हुई थी,

उसके बाद बाकी यूरोप अमेरिका में अर्थात जब भारत में प्रत्येक गाँव में एक गुरुकुल था, 97: साक्षरता थी तब इंग्लैंड के बच्चों को पढ़ने का अवसर मिला। तो क्या पहले वहाँ विद्यालय नहीं होते थे?

होते थे परंतु महलों के भीतर, वहाँ ऐसी मान्यता थी की शिक्षा केवल राजकीय व्यक्तियों को ही देनी चाहिए बाकी सब को तो सेवा करनी है।

"दुर्भाग्य है की भारत में हम अपने श्रेष्ठतम सृजनात्मक पुरुषों को भूल चुके है। इसका कारण विदेशियत का प्रभाव और अपने बारे में हीनता बोध की मानसिकता से देश के बुद्धिमान लोग ग्रस्त है"

राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा वाहिनी एवं राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा हिंदू देव प्रकाश शुक्ला

श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति की चुनावी बैठक सम्पन्न कृष्ण कुमार जायसवाल अध्यक्ष एवं संतोष यादव महासचिव चुने गये

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद की समस्त लक्ष्मी पूजन समितियों की महासंस्था श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति की बैठक नगर के अचला देवी घाट पर स्थित माता रानी के दरबार में सम्पन्न हुई जहां आगामी मां लक्ष्मी पूजनोत्सव को लेकर नवीन कार्यकारिणी की चयन प्रक्रिया हुई। संरक्षक डा. राम नारायण सिंह एवं रामजी जायसवाल की देखकृरेख में हुई बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष लाल बहादुर यादव नैपाली एवं संचालन महासचिव कृष्ण कुमार जायसवाल ने किया। इस मौके पर महासचिव रहे कृष्ण कुमार जायसवाल को सर्वसम्मत से अगली कार्यकारिणी के लिये अध्यक्ष चुना गया जिस पर उपस्थित लोगों ने करतल ध्वनि से अपना समर्थन दे दिया। साथ ही कोषाध्यक्ष की भूमिका निभाने वाले संतोष यादव को महासचिव चुना गया जिस पर सभी लोगों ने माल्यार्पण करके दोनों पदाधिकारियों का स्वागत किया। महासमिति के संस्थापक स्व. सुशील वर्मा एडवोकेट को नमन करते हुये संरक्षक डा. राम नारायण सिंह, रामजी जायसवाल, दीपक चिटकारिया, अजय पाण्डेय, जगदीश प्रसाद मौर्य गप्पू, पूर्व अध्यक्ष चन्द्रशेखर निषाद बबलू, निवर्तमान अध्यक्ष लाल बहादुर यादव नैपाली सहित अन्य वक्ताओं ने अपना विचार व्यक्त करते हुये आगामी पुरस्कार वितरण समारोह एवं लक्ष्मी पूजनोत्सव को भव्य तरीके से किये जाने पर जोर दिया। इस मौके पर आये लोगों का स्वागत वैभव वर्मा पुत्र स्व. सुशील वर्मा एडवोकेट ने किया। वहीं महासमिति से जुड़े नये सदस्य आदर्श श्रीवास्तव, राजा अग्रहरि, सत्यम प्रजापति, अश्वनी कुमार सहित अन्य लोगों का स्वागत किया गया। वहीं नीरज श्रीवास्तव, अतुल जायसवाल, शिवा वर्मा, जयकिशन साहू, शुभांशू जायसवाल, डा. आशुतोष सिंह, राहुल सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने नवचयनित अध्यक्ष एवं महासचिव से कहा कि आप दोनों के नेतृत्व में महासमिति के सभी कार्यक्रम जौनपुर में एक लकीर खीचेंगे। इस अवसर पर कृष्णकान्त विश्वकर्मा, दीपक अग्रहरि, श्रेयश जायसवाल, डा. हर्षित गुप्ता, अभिषेक अग्रहरि, सूर्य प्रकाश विश्वकर्मा, संकल्प गुप्ता, दिलीप जायसवाल, कृष्ण कुमार यादव, गौरव सेठ, नीरज शाह, केतन गुप्ता, संजय शुक्ला, अंकुर मिश्रा, विक्की साहू, मुकेश यादव, दिलीप प्रजापति, अतुल मिश्रा सहित तमाम पदाधिकारी, सदस्य आदि उपस्थित रहे। अन्त में डा. आशुतोष सिंह एवं राहुल सिंह ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

24 घंटे के अंदर ही कैंट पुलिस व स्वाट टीम मुठभेड़ में आरोपी घायल,जिला चिकित्सालय में भर्ती

अयोध्या।24 घंटे के अंदर ही रविवार को सुबह थाना कैंट के पलिया शाहबादी निवासी युवती की हत्या का खुलासा पुलिस ने किया।इस मामले में शामिल मृतका युवती के आरोपी प्रेमी राजू यादव पुत्र राम केवल निवासी दीपापुर पोस्ट मऊ यदुवंशपुर थाना कैंट को पुलिस ने उसके साथ हुई मुठभेड़ में घायल हो गया।जिसे इलाज के लिए जिला चिकित्सालय मे भर्ती कराया गया है।इस बात का खुलासा सोमवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी तथा एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी की मौजूदगी में एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने बताया कि रविवार की सुबह थाना कैंट क्षेत्र के पलिया शाहाबदी गांव से थोड़ी दूर स्थित धान के खेत में 20 वर्षीय महिला का शव जिसका सिर आधा जमीन में शेष भूमि के ऊपर अवस्था में मिला था।इसे गंभीरता से लेते हुए एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने इसके खुलासे के लिए एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के मार्गदर्शन में तथा सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह की नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट पंकज सिंह व सर्विलांस टीम प्रभारी अमरेश त्रिपाठी के अन्य पुलिस कर्मियों के टीम का

गठन किया था।बताया कि गठित टीम द्वारा टेक्निकल सपोर्ट एवं स्थानीय मुखबिरी के सहयोग से 20 घण्टे के अन्दर अभियुक्त राजू यादव को पुलिस मुठभेड़ मे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके निशादेही पर मृतका का मोबाइल बरामद किया गया।निशादेही पर ले जाते समय अभियुक्त राजू द्वारा मौके का फायदा उठाकर पिस्टल छीनकर भागने का प्रयास किया गया तथा भागते समय पुलिस पार्टी पर जान लेवा फायर किया गया।पुलिस पार्टी द्वारा अपने बचाव में जवाबी फायर किया गया जिससे अभियुक्त राजू के पैर में गोली लग गयी, जिसे इलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया है।बताया कि आरोपी राजू ने बताया कि उसका और मृतका से पिछले कई महीनों फोन पर बातचीत होती थी। मृतका से वह शादी की बात करता था, तो अलग अलग जाति की बात कहकर मुझसे शादी को मना कर देती थी। इसी बात को लेकर पिछले कुछ दिनों से आरोपी के बीच अनबन चल रही थी।बीती रात आरोपी व युवती गांव के बाहर आम के बाग के पास मिले थे, जहां कुछ देर बाद विवाह करने की बात किया तो वह शारीरिक संबंधा बनाने से मना करने पर आरोपी ने उसके रेप कर शराब के नशे एवं गुस्से मे मृतका का गला दबा दिया,जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। इस मौके पर सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह के अलावा प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट पंकज सिंह तथा स्वाट टीम प्रभारी अमरेश त्रिपाठी के अलावा अविनाश त्रिपाठी, थाना कैण्ट,उ0नि0 राहुल यादव, थाना कैण्ट के अलावा अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

गलत इंजेक्शन लगाने से मरीज की मौत परिजनों ने जमकर काटा हंगामा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,31अगस्त। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के कालीचाबाद स्थित अरुणोदय सर्जिकल एंड ट्रामा सेंटर पर रविवार देर शाम उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब एक मरीजों को इलाज के दौरान गलत इंजेक्शन लगने से मौत हो गयी है। परिजनों व ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जमकर हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान हॉस्पिटल में तोडफोड़ भी किया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझने का प्रयास किया लेकिन परिजन डाक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते रहे।बाद में पहुंचे एसडीएम और क्षेत्राधिकारी शहर देवेश कुमार सिंह द्वारा समझाने पर ओर डॉ के खिलाफ कार्यवाही के आश्वासन पर मामला शांत हुए।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कार्यवाही करने के लिय मोर्चरी भेज दिया है।

रविवार की दोपहर को 1 बजे सनोज सोनकर पुत्र श्रीसोनकर निवासी कबिरुद्दीनपुर थाना गौराबादशाहपुर अपने पित्त की थैली में पथरी का ऑपरेशन कराने के लिए अरुणोदय सर्जिकल एंड ट्रामा सेंटर पर पहुचा था। जहां पर डॉक्टर के द्वारा आपरेशन करने की बात कही गयी।और उन्हें सुई लगाया गया। जिसके कुछ ही देर बाद उनकी हालत बिगड़ गयी। परिजनों के द्वारा कई बार कहा गया कि उनसे मिलवा दिया जाए। लेकिन नही मिलवाया गया। बाद में सीने पर प्रेशर देते हुए बाहर बुलाया गया। जबकि डॉक्टर के द्वारा खुद एम्बुलेंस बुलाकर वाराणसी के एपेक्स हॉस्पिटल भेजा गया। जहां पर डॉक्टरों ने कहा कि इनकी मौत हो गयी।

वही पर चचेरे भाई सुरेश कुमार सोनकर ने बताया हमारे भाई को आपरेशन करने के लिए हॉस्पिटल लाया गया था। जहाँ उन्हें पथरी का ऑपरेशन कराना था । डॉक्टर के द्वारा उन्हें गलत सुई लगाई गई। उनकी हालत बिगड़ गयी जब हम लोगों को सूचना मिली हम लोग पहुँचे तब तक डॉक्टर के द्वारा जबर्दस्ती एम्बुलेंस से वाराणसी भेज दिया गया। जहां पर डॉक्टरों ने बताया कि उनकी मौत हो चुकी है।वापस हम लोग यहां आए है। डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्यवाही चाहते है।हमारे भाई की गलत इंजेक्शन लगाने से मौत हुई है।

मृतक का भांजा अजय सोनकर ने बताया कि पथरी का ऑपरेशन कराना था। जिनका हम सिटी स्कैन कराए थे। आज सुबह 10 बजे इनको लेकर हम लोग हॉस्पिटल आये थे। जहां पर डॉक्टर इनको एक सुई लगाकर ओटी में ले गए।नर्स ने बताया कि ऑपरेशन हो गया है। हमने कहा कि हमसे मिलवा दो तो नर्स ने कहा कि अभी मुलाकात नही हो सकती है। थोड़ी देर बाद सीने पर पम्प देते हुए ।

पुलिस कस्टडी में युवक की मौत, पुलिस कर्मियों पर केस दर्ज

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

उत्तर प्रदेश में हरदोई जिले के शाहाबाद कोतवाली पुलिस कस्टडी में एक युवक की रविवार रात को मौत होने का आरोप लगा है। मृतक पर एक नाबालिग लड़की को बहला–फुसलाकर ले जाने के आरोप था। पुलिस ने लड़की को बरामद कर उसे 28 अगस्त को हिरासत में लिया था। देर रात पुलिस कस्टडी में युवक की मौत का आरोप लगाते हुए परिजनों ने लड़की के परिवार और पुलिसकर्मियों के खिलाफ तहरीर दी। एसपी के आदेश पर सभी के खिलाफ देर रात में ही मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह ने सोमवार को बताया कि अहमदनगर निवासी राम प्रसाद ने बीते दिनों शिकायत दर्ज करायी थी कि उनकी नाबालिग बेटी को इसी गांव के रामराज राजपूत का बेटा रवि भगा ले गया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए लड़की को बरामद कर 28 अगस्त को आरोपित रवि को हिरासत में लेकर कोतवाली ले आए। बीती शाम रविवार को रवि की अचानक तबीयत बिगड़ने पर पुलिस कर्मी उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां डॉ. विक्रम ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस शव को अपने साथ ले गई और परिवार को काफी देर बाद सूचना दी गई। बेटे की मौत की खबर पाकर परिजन कोतवाली पहुंचे तो कई पुलिसकर्मी नदारत थे। बेटे की मौत पर परिजनों ने शव रखकर हंगामा शुरू कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन और एएसपी पहुंच गए। एसपी ने मृतक के परिजनों से बातचीत कर उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया।

एसपी ने बताया कि मृतक रवि के पिता की तहरीर पर दारोगा वरुण कुमार शुक्ला, पीआरवी वाहन के दो पुलिसकर्मी, लड़की के परिजन और अन्य पुलिस कर्मियों के खिलाफ देर रात मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। विभागीय जांच की जा रही है। दोषी दारोगा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस मामले में सोमवार को भी परिजन शव रखकर कोतवाली शाहाबाद के सामने हंगामा कर रहे हैं। मौके पर पुलिस अधिकारी मामले को शांत कराने में जुटे हुए हैं।

'धूमधाम से हुआ गणेश विसर्जन, गणपति बप्पा मोरया के नारों से गूँजता रहा पाली'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' नगर के मोहल्ला बिरहाना स्थित दुर्गा मंदिर परिसर पर स्थापित गणपति की प्रतिमा का धूमधाम से विसर्जन किया गया। सोमवार को दुर्गा मंदिर से लेकर गर्रा नदी के तट तक गणपति बप्पा मोरया की गूँज रही। पाँच दिनों तक पूजन के बाद सोमवार को सुबह से ही गणपति विसर्जन की तैयारियां शुरू हो गई थीं। दोपहर बाद ढोल नगाड़ों के साथ मंदिर परिसर से धूमधाम से वप्पा की सवारीध श्री गणेश विसर्जन यात्रा नगर के विभिन्न मोहल्ले में निकाली गई, जिसमें दूर दराज के गांवों से हजारों की संख्या में लोगों ने यात्रा में भाग लिया। यात्रा के दौरान साथ में चल रही झांकियां लोगों का मन मोह रही थीं। बाजे की धुन पर युवा जमकर झूमें। नगर के लोगों ने अपने –अपने घरों से श्री गणेश भगवान की प्रतिमा पर फूलों की वर्षा की। झांकियां लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही। शाम को विसर्जन यात्रा गर्रा नदी पर पहुंची वहां पर विधि विधान से श्री गणेश भगवान की प्रतिमा की पूजा अर्चना की गई वहीं विसर्जन के दौरान लोगों ने गणपति बप्पा मोरया अगले बरस जल्दी आना जमकर जयकारे लगाए। इस मौके पर गोपाल बाजपेई, मोहन कटिहार, सूरज शुक्ला, आकाश गुप्ता, आयुष, धीरू शुक्ला, राकेश, लालू अवस्थी, आदि सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। वहीं यात्रा के दौरान सुरक्षा को लेकर पुलिस चप्पे चप्पे पर नजर बनाए रखे थी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।